शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

राज्य शिक्षा केन्द्र

पुस्तक भवन, बी-विंग, अरेरा हिल्स, भोपाल--462 011
दूरभाष : (0755) 2768390, 91, 92, 94, 95 फैक्स : 2552363, 2760561

क्र/राशिके/निर्माण/2012/2414 भोपाल दिनांक 13.3.12

प्रति,

जिला परियोजना समन्वयक
जिला शिक्षा केन्द्र
समस्त जिले (म.प्र.)

विषय : जिले के समस्त शालाओं के (SMC) स्कूल प्रबंधन समिति तथा बालक बालिकाओं को विश्व जल दिवस 22 मार्च 2012 पर जागरूक करने विषयक।

यू.एन. जनरल एसेम्बली द्वारा वर्ष 1992 से प्रतिवर्ष 22 मार्च विश्व जल दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा की गई है। इस वर्ष विश्व जल दिवस पर "जल की सुरक्षा, संरक्षण एवं उसका अपव्यय रोकना" जैसे बिन्दुओं पर केन्द्रित किया जा रहा है। अतः इस अवसर पर जिलें की समस्त शालाओं में स्कूल प्रबंधन समिति बालक बालिकाओं को जल संबंधी मुद्दो (जल संबंधी निर्देश की मार्गदर्शिका संलग्न है) पर संक्षिप्त चर्चा कर जागरूकता लाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें।

संलग्न : उपरोक्तानुसार

(शोभित जैन)
अपर मिशन संचालक
राज्य शिक्षा केन्द्र
भोपाल, म.प्र.

शाला प्रबंधन समिति एवं बालक–बालिकाओं से पानी के मुद्दो पर चर्चा के बिन्दु

- **22 मार्च 2012 विश्व जल दिवस (WWD) का महत्व** :– जल दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य जन संबंधित मुद्दो पर विश्व भर में जागरूकता बढ़ाना है जैसे :–

➢ पानी जीवन का आधार हैं लेकिन प्रदूषित होने पर विभिन्न बिमारियों का स्त्रोत भी है।

➢ शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, उपयोग, संरक्षण एवं आवश्यकता होने पर पेयजल को छानना, उबालना तथा क्लोरीनेशन आदि करना।

➢ वर्षा जल का संरक्षण एवं संवर्धन।

➢ जल के अपव्य में कमी लाना तथा पानी का पुनः उपयोग पर सोच विकसित करना जैसे कि नहाने के बाद के पानी को शौचालय एवं बागवानी में उपयोग।

➢ बच्चों के जीवन में जल की अति महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चे घर, शाला तथा समुदाय सभी स्थानों पर जल का विभिन्न तरीको से उपयोग करते है अतः जल संसाधनो के संरक्षण हेतु जानकारी देना।

- **जल संबंधी शाला के आवश्यक बिन्दु** :–

➢ शाला प्रबंधन समिति सक्रिय रूप से कार्य करने तथा शाला परिसर एवं शौचालय में स्वच्छता एवं पानी की व्यवस्था को बनाए रखने में बालक बालिकाओं को शिक्षित करना।

➢ शाला शौचालयों में पानी की उपलब्धता बनाए रखना एवं पानी के अपव्यय को रोकना।

➢ बीमारियों से बचाव के लिए पानी साबुन से हाथ धोने का मुख्य साधन है, भोजन के पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ धोना आवश्यक है।

➢ शाला के शौचालय नियमित स्वच्छ एवं उपयोग योग्य रखें तथा उनका निरंतर उपयोग बालक बालिकाओं द्वारा किया जाए।

➢ शाला के पेय जल स्त्रोत्र के आस पास स्वच्छता बनाए रखें तथा उसके आस पास गन्दगी, मलमूत्र नही करें।

- **जल संबंधी घर के आवश्यक बिन्दु :–**

➢ पेयजल के वर्तनों की नियमित सफाई कर साफ स्थानों पर रखा जाना चाहिए।

➢ पेयजल को घर पर संरक्षित करने के लिए उपयुक्त विधि का प्रयोग किया जाना चाहिए (निथारना/छानना)।

➢ पेयजल के बर्तन से पानी निकालने के पूर्व हाथो की स्वच्छता (साबुन से हाथ धोना) तथा निकालने हेतु डंके/लट्टू (लंबी डंडी वाला लोटा) का उपयोग करें।

➢ जल निकासी की उचित व्यवस्था कर इन स्थानों को साफ रखना।

- **जल संबंधी समुदाय/गॉव के आवश्यक बिन्दु :–**

➢ ग्राम के जल स्त्रोतों (नदी/तालाब/कुओं/हेण्डपंप) पर तथा आस पास स्वच्छता रखी जानी चाहिए।

➢ इस जल स्त्रोतो पर मवेशी/जानवरों को स्नान, कपड़े धोना तथ मल मूत्र का विसर्जन नही किया जाना चाहिए और शौचालयों का उपयोग आवश्य करना चाहिए।